

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER DISTRICT ALMORA

Proceeding of the meeting of the district level committee constituted under schedule tribes & other Traditional forest Dwellers (recognition of rights) act (FRA). 2006.

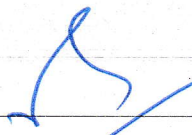
A meeting of the district level committee of Almora district, constituted under FRA, 2006 was held under the chairmanship of Mr. Nitin Singh Bhadauria I.A.S., deputy commissioner, Almora on date 27-8-18 at time 1:30 p.m. at Almora in which application claiming rights of **Quarban** area measuring **3.850 hec.** for the कोटिला-गवाड़ मोटर मार्ग से सुरईखेत तक मिलान of forest land under FRA, 2006 of the following applicant duly processed and recommended by the sub division level committee of **Dwarahat** sub division were discussed to consider the same for admission by the district level committee.

After scrutiny of the documents and detailed discussions, no objection/claims were found to have been made & hence District level committee recommend the above case for diversion of land for the said purpose.

Place; Almora

Deputy Commissioner-cum-Chairman
District Level Committee

DATE:






FORM-1
Government of Uttarakhand
Office of the District Collector: Almora

No.....

Dated.....

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

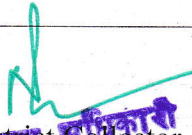
In compliance of the Ministry of Environment and Forest (MOEF) Government of India's letter No:-11-9/98-EC(pt) dated 3rd August 2009 where in the MoEF issued guideline on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the Scheduled tribes and Other Traditional forest Dwellers (Recantation of forest Rights, Act 2006 (FRA, for short) on the forest land proposed to be diverted for non forest purposes read with MOEF's letter dated 5th feb. 2013 wherein MOEF issued certain relaxation in respect of linear projects. It is certified that 3.850 hectares of forest land proposed to be diverted in favor of कोटिला-गवाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान **district Almora within jurisdiction of gawan, kotila, Bayela, Faldwadi, Walana and Talli bitholi Village (s) in Dwarahat tahsils.**

It is further certified that:

- (d) The complete process for identification and settlement of rights under the FRA has been carried out of the entire **3.850** hectares of forest area proposed for diversion A copy of records of all consultation and meetings of the forest Rights Committee (s) Gram Sabha(s) Sub- Division Level committee (s) and District level committee are enclosed as annexure to annexure.....
- (e) The diversion of forest land for facilities managed by the Government as required under section 3 (2) of the FRA have been completed and the Gram Sabhas have given their consent to it.:-YES
- (f) The proposal does not involve recognized rights of primitive Tribal groups and Pre-agricultural at communities.:-YES

Encl: As above


 विभागाध्यक्ष, वन विभाग, ड्वाराहट
 नमोडा


 District Collector,
 नमोडा.

FORM-II
Government of Uttarakhand
Office of the District Collector: Almora

No.....

Dated.....

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

In compliance of the Ministry of Environment and Forest (MOEF), Government of India's letter No:-11-9/98-EC(pt) dated 3rd August 2009 where in the MoEF issued guideline on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the Scheduled tribes and Other Traditional forest Dwellers (Recantation of forest Rights, Act 2006 (FRA, for short) on the forest land proposed to be diverted for non forest purposes, It is certified that 3.850 hectares of forest land proposed to be diverted in favor of कोटिला-गवाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान district Almora within jurisdiction of gawan, kotila, Bayela, Faldwadi, Walana and Talli bitholi Village (s) in Dwarahat tahsils.

It is further certified that:

- (g) The complete process for identification and settlement of rights under the FRA has been carried out of the entire 3.850 hectares of forest area proposed for diversion A copy of records of all consultation and meetings of the forest Rights Committee (s) Gram Sabha(s) Sub- Division Level committee (s) and District level committee are enclosed as annexure to annexure
- (h) The proposal for such diversion (with full details of the project and its implications, in vernacular/local language) have been placed before each concerned Gram Sabha of forest-dwellers, who are eligible under the FRA. : YES
- (i) The each of concerned Gram Sabha (s), has certified that all formalities/processes under the FRA have been carried out. And that they have given their consent to the proposed diversion and the compensation and ameliorative measures, if any, having understood the purpose and details of proposed diversion. A copy of certificate issued by the gram sabha of Quarban villages (s) is enclosed as annexure 3.
- (j) The discussion and decisions on such proposals had taken place only when there was a quorum of minimum 50% of the members of gram Sabha present: YES
- (k) The diversion of forest land for facilities managed by the Government as required under section 3 (2) of the FRA have been completed and the Gram Sabhas have given their consent to it: YES
- (l) The rights of primitive tribal groups and pre-agricultural Communities, where applicable have been specifically safeguarded as per section 3 (1) (e) of the FRA: NA

Encl: As above

बिला बसाय कलाय बचिनासे
 बलमोडा

Nitin Singh Bhadauria
 District Collector, Almora

बिला अधिकारी
 बलमोडा.

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

कार्यालय उप जिलाधिकारी, द्वाराहाट
अनुसूचित जनजाति और परम्परागत वनवासी अधिनियम 2006 के तहत प्रमाण पत्र
उपखण्ड स्तरीय समिति, द्वाराहाट

उपखण्ड द्वाराहाट परिक्षेत्र के अन्तर्गत 3.850 हे० वन भूमि) का लो०नि०वि० रानीखेत के पक्ष में हस्तान्तरित किये जाने हेतु अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत उपखण्ड स्तरीय समिति (तहसील द्वाराहाट) की दिनांक 06/01/18 को सम्पन्न बैठक की कार्यवाही का विवरण:-

अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं नियम 2008 के अन्तर्गत उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक श्री 2 ज्ञा अल्मोड़ा उप जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में माननीय सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार है।

- 1- श्री 2 ज्ञा अल्मोड़ा उपजिलाधिकारी द्वाराहाट अध्यक्ष
- 2- श्री 2 ज्ञा अल्मोड़ा उप प्रभागीय वनाधिकारी सदस्य
- 3- श्री 2 ज्ञा अल्मोड़ा सहायक समाज कल्याण अधिकारी वि० द्वाराहाट सदस्य / सचिव
- 4- श्री 2 ज्ञा अल्मोड़ा वी०डी०सी० क्षेत्र 2 ज्ञा अल्मोड़ा सदस्य
- 5- श्रीमती 2 ज्ञा अल्मोड़ा वी०डी०सी० क्षेत्र 2 ज्ञा अल्मोड़ा सदस्य

उपखण्ड सचिव द्वारा माननीय सदस्यों का बैठक में स्वागत करते हुये उप जिलाधिकारी की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई माननीय सदस्यों को अवगत कराया गया कि जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत के पक्ष में हस्तान्तरित किये जाने हेतु प्रस्ताव माननीय सदस्यों के समक्ष रखा गया। ग्राम सभा के अन्तर्गत वनाधिकार का कोई मामला लम्बित नहीं है। उक्त भूमि का संबंधित ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर सार्वजनिक उपयोग हेतु प्रत्यावर्तन की अनुशंसा की गई है।

संबंधित उप प्रभागीय वनाधिकारी, अल्मोड़ा द्वारा अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं तत्सम्बंधी नियम 2008 के प्राविधान को स्पष्ट करते हुये जानकारी से माननीय सदस्यों को अवगत कराया कि वन अधिनियम 2006 के अन्तर्गत किसी भी दावेदार का दावा / आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस सम्बन्ध में ग्राम सभा / पंचायत द्वारा अनापत्ति जारी की जा चुकी है। अतः प्रकरण में उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा अनापत्ति जारी की जा सकती है।

बैठक में सर्वसम्मति से उपखण्ड द्वाराहाट परिक्षेत्र के अन्तर्गत जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान परियोजना के निर्माण हेतु 3.850 हे० वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को जनहित में सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर प्रत्यावर्तित किये जाने पर सहमति व्यक्त की गई।

उप जिलाधिकारी / अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति
तहसील..... उप जिलाधिकारी
जनपद..... द्वाराहाट (अल्मोड़ा)

प्रतिलिपि: जिलाधिकारी, अल्मोड़ा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

उप जिलाधिकारी / अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति
तहसील..... उप जिलाधिकारी
जनपद..... द्वाराहाट (अल्मोड़ा)

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

वन अधिकार अधिनियम , 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत का नाम - गवाड़
तहसील द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा

अनापत्ति प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान हेतु (0.280 हे० आरक्षित वन भूमि 3.133 हे० सिविल सोयम भूमि 0.437 हे० वन पंचायत भूमि) अर्थात् कुल 3.850 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

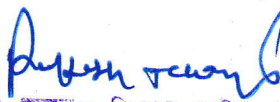
उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत गवाड़ द्वारा दिनांक 13/7/18 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि आदिवासी तथा गैर आदिवासी का कब्जा / कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्रामवासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

चर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया/प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम गवाड़ के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

ह० /

ग्राम सचिव

मुहर सहित


ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत गवाड़
जिला अल्मोड़ा
तहसील द्वाराहाट

ह० /

ग्राम प्रधान/सरपंच

मुहर सहित

प्रपत्र-23.1

दिनांक 13/07/2018 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत जवाड

क्रम सं०

ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ
ग्रामवासियों के नाम

(1)	मुन्नी पाण्डे	मुन्नी पाण्डे	ग्राम प्रधान
(2)	मोहन सिंह	मोहन सिंह	
(3)	नवीन पाण्डे	नवीन पाण्डे	
(4)	केलाश चन्द	केलाश चन्द	
(5)	जीत सिंह	जीत सिंह	
(6)	कमला देवी	कमला देवी	
(7)	नन्दी देवी	नन्दी देवी	
(8)	गोपाल सिंह	गोपाल सिंह	
(9)	भोला राम	भोला राम	
(10)	गौरीश राम	गौरीश राम	
(11)	लक्ष्मण सिंह	लक्ष्मण सिंह	
(12)	हरीश राम	हरीश राम	
(13)	चन्दन राम	चन्दन राम	
(14)	सुरेश चन्द	सुरेश चन्द	
(15)	चन्दन कुमार	चन्दन कुमार	
(16)	दिवान राम	दिवान राम	
(17)	हर सिंह	हर सिंह	
(18)	मनोज सिंह	मनोज सिंह	
(19)	दिवान सिंह	दिवान सिंह	
(20)	हरिश पाण्डे	हरिश पाण्डे	
(21)	सन्तोष सिंह	सन्तोष सिंह	
(22)	नवीन सिंह	नवीन सिंह	
(23)	पंकज कुमार	पंकज कुमार	
(24)	दिग्भर सिंह	दिग्भर सिंह	
(25)	जातकी देवी	जातकी देवी	
(26)	कमला पाण्डे	कमला पाण्डे	
(27)	शुशीला पाण्डे	शुशीला पाण्डे	
(28)	रमेश चन्द पाण्डे	रमेश चन्द पाण्डे	
(29)	जीरीश पाण्डे	जीरीश पाण्डे	
(30)	मनोज पाण्डे	मनोज पाण्डे	

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

वन अधिकार अधिनियम , 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत का नाम - कोटिला
तहसील द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा

अनापत्ति प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान हेतु (0.280 हे० आरक्षित वन भूमि 3.133 हे० सिविल सोयम भूमि 0.437 हे० वन पंचायत भूमि) अर्थात् कुल 3.850 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत कोटिला द्वारा दिनांक 4-8-18 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि आदिवासी तथा गैर आदिवासी का कब्जा / कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्रामवासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

कोटिला चर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया/प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम कोटिला के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

ह०/

ग्राम सचिव

मुहर सहित

Deven Kumar
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कोटिला
वि०ख० द्वाराहाट
जिला अल्मोड़ा

ह०/

ग्राम प्रधान/सरपंच

मुहर सहित

रघुवीर राम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कोटिला
वि०ख० द्वाराहाट (अल्मोड़ा)

प्रपत्र-23.1

दिनांक 4-8-18 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत

क्रम सं०

ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ
ग्रामवासियों के नाम

हस्ताक्षर

- ① प्रियंका सिन्हा
- ② प्रमोद सिंह
- ③ प्रमोद सिंह
- ④ जीवन सिंह
- ⑤ मदन सिंह
- ⑥ कुन्दन सिंह
- ⑦ जमना सिंह
- ⑧ रागेन्द्र सिंह
- ⑨ मधुसूदन सिंह
- ⑩ गोपाल सिंह
- ⑪ विवेक सिंह
- ⑫ जयदीप
- ⑬ जयदीप अधिकारी
- ⑭ प्रमोद सिंह
- ⑮ रागेन्द्र सिंह
- ⑯ गोपाल सिंह
- ⑰ विवेक सिंह

ग्राम प्रधान

(Signature)

ग्राम पंचायत कोटिला
वि०ख० द्वाराहाट (अल्मोड़ा)

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

वन अधिकार अधिनियम , 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत का नाम - बयेला

तहसील द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा

अनापत्ति प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान हेतु (0.280 हे० आरक्षित वन भूमि 3.133 हे० सिविल सोयम भूमि 0.437 हे० वन पंचायत भूमि) अर्थात् कुल 3.850 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत बयेला द्वारा दिनांक 4/8/18 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि आदिवासी तथा गैर आदिवासी का कब्जा /कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्रामवासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

बयेला चर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया/प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम बयेला के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

ह०/ ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बयेला
ग्राम सचिव 5/8/18
मुहर सहित mm/18

ह०/ ग्राम प्रधान/सरपंच
मुहर सहित

ग्राम पंचायत बयेला
पो० ओ० चन्धरिया
क्षेत्र पंचायत द्वाराहाट अल्मोड़ा

प्रपत्र-23.1

दिनांक 4/8/18 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत

क्रम सं०

ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ
ग्रामवासियों के नाम

हस्ताक्षर

- ① जसराज
- ② चन्दनराज
- ③ मरेवरज
- ④ प्रदीप पाण्डे
- ⑤ चरु प्रसाद

जसराज
चन्दनराज
मरेवरज
प्रदीप पाण्डे
चरु प्रसाद
ग्राम प्रधान

जसराज
ग्राम पंचायत बयेला
पो० ओ० चन्थरिया
क्षेत्र पंचायत द्वारा डाट अल्मोडा

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

वन अधिकार अधिनियम , 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत का नाम - अल्मोड़ा

तहसील अल्मोड़ा जिला अल्मोड़ा

अनापत्ति प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान हेतु (0.280 हे० आरक्षित वन भूमि 3.133 हे० सिविल सोयम भूमि 0.437 हे० वन पंचायत भूमि) अर्थात् कुल 3.850 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत अल्मोड़ा द्वारा दिनांक 03.08.2018 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि आदिवासी तथा गैर आदिवासी का कब्जा / कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्रामवासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

अल्मोड़ा चर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया/प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम अल्मोड़ा के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

अल्मोड़ा
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अल्मोड़ा
ग्राम सचिव अल्मोड़ा
मुहर सहित

अल्मोड़ा
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अल्मोड़ा
दिनांक 03.08.2018
जिला अल्मोड़ा

अल्मोड़ा
ग्राम प्रधान/सरपंच
वि०खण्ड द्वाराहाट
ह०/

ग्राम प्रधान/सरपंच
मुहर सहित

प्रपत्र-23.1

दिनांक 03.08.2010 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत

क्रम सं०

ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ
ग्रामवासियों के नाम

हस्ताक्षर

विशेष-चक्र फल

ग्राम पंचायत फल
विशेष-चक्र फल

ग्राम प्रधान

जाली देवी
विश्वनी देवी

पार्वती देवी

देवी देवी
मुंगा चन्द

रमेश चन्द

डिगेश चन्द

विनीता पन्त

कमल देवी

श्रीमान

जाली देवी

विश्वनी देवी

पार्वती देवी

देवी देवी

मुंगा चन्द

x

रमेश चन्द

डिगेश चन्द

विनीता पन्त

कमल देवी

विनीता पन्त

श्रीमान

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला
ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

वन अधिकार अधिनियम , 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत का नाम - वलना
तहसील द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा

अनापत्ति प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान हेतु (0.280 हे० आरक्षित वन भूमि 3.133 हे० सिविल सोयम भूमि 0.437 हे० वन पंचायत भूमि) अर्थात् कुल 3.850 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत वलना द्वारा दिनांक 4-8-18 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि आदिवासी तथा गैर आदिवासी का कब्जा /कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्राम वासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

वलना के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

ह०/

ग्राम सचिव

मुहर सहित
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत वलना
तहसील द्वाराहाट
जिला अल्मोड़ा

ह०/

ग्राम प्रधान/सरपंच

मुहर सहित

ग्राम प्रधान/सरपंच
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत वलना
तहसील द्वाराहाट
जिला अल्मोड़ा

प्रपत्र-23.1

दिनांक 4-8-18 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत

क्रम सं०

ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ
ग्रामवासियों के नाम

हस्ताक्षर

- | | |
|----------------|-------------|
| 1. रघुवीराम | रघुवीराम |
| 2. विश्वनाथ | विश्वनाथ |
| 3. धनसिंह | धनसिंह |
| 4. धनसिंह | धनसिंह |
| 5. शान्ती देवी | शान्ती देवी |
| 6. कमला देवी | कमला देवी |
| 7. सुनीता देवी | सुनीता |
| 8. गोपाल राम | गोपाल राम |
| 9. चन्दनसिंह | चन्दनसिंह |
| 10. नन्दी देवी | नन्दी देवी |
| 11. सखी देवी | सखी देवी |
| 12. रविशंकर | रविशंकर |
| 13. वचन देवी | वचन देवी |
| 14. बचनसिंह | बचनसिंह |
| 15. गिरिशंकर | गिरिशंकर |
| 16. देवी देवी | देवी देवी |
| 17. लालसिंह | लालसिंह |

हस्ताक्षर

ग्राम पंचायत
पौड लोह विहार
जिला अजमेर

प्रपत्र-23.1

दिनांक 4-8-18 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत किठोली मल्ली

क्रम सं०

ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ
ग्रामवासियों के नाम

हस्ताक्षर

नाम

हस्ताक्षर

- 1 प्रकाश चन्द
- 2 गोपाल सिंह
- 3 जगदीश सिंह
- 4 चन्द सिंह
- 5 जसवंत सिंह जसोदर सिंह
- 6 शिबू
- 7 मोहन सिंह
- 8 गोपाल सिंह
- 9 राम सिंह
- 10 लाल सिंह
- 11 चन्द सिंह
- 12
- 13
- 14
- 15
- 16
- 17
- 18
- 19
- 20
- 21
- 22
- 23
- 24
- 25

Sham
जगदीश सिंह
Sham
Sham
मोहन सिंह
गोपाल सिंह
Sham
लाल सिंह
— Sham

ग्राम प्रधान

मोहरी देवी
वर्मान

ग्राम पंचायत मल्ली-किठोली
पो. ऑ. बिठोली
पे. सं. बाराबाद (अल्मोड़ा)

परियोजना का नाम- जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान

वन अधिकार अधिनियम , 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत का नाम - मल्ली बिठोली (सुरईखेत)
तहसील द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा

अनापत्ति प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत कोटिला ग्वाड़ मोटर मार्ग का सुरईखेत तक मिलान हेतु (0.280 हे० आरक्षित वन भूमि 3.133 हे० सिविल सोयम भूमि 0.437 हे० वन पंचायत भूमि) अर्थात् कुल 3.850 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत मल्ली बिठोली द्वारा दिनांक 4-8-18 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत द्वारा आवेदित वन भूमि के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि आदिवासी तथा गैर आदिवासी का कब्जा / कृषि कार्य है अथवा नहीं। उपस्थित सभी ग्राम वासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

मल्ली बिठोली चर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया/प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम मल्ली बिठोली के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

ह० /

ग्राम सचिव

मुहर सहित

ग्राम पंचायत मल्ली बिठोली अधिकारी
ग्राम पंचायत मल्ली बिठोली
वि०खं० द्वाराहाट
जिला अल्मोड़ा

ह० /

मोहनदीवी
ग्राम प्रधान/समान
ग्राम पंचायत मल्ली-बिठोली
मुहर सहित पि० को० बिठोली
०० व० द्वाराहाट (अल्मोड़ा)